हरियाणा का वाटर एटलस तैयार

चर्चा में क्यों?

11 दसिंबर, 2022 को मीडयिा से मलिी जानकारी के अनुसार हरयिाणा जल संसाधन प्राधकिरण (HWRA) द्वारा दशकों तक काम करने के बाद अब हरयिाणा का वाटर एटलस तैयार कर लयिा गया है। इसे इसी महीने के अंत में लॉन्च कयिा जाएगा।

प्रमुख बदिु

- एटलस के ज़रयिे अब हर साल राज्य के गरिते भू जल स्तर की जानकारी मलि सकेगी। इसके साथ ही पाँच सालों में वाटर डमिांड-सप्लाई का डाटा भी तैयार हो सकेगा। एटलस के ज़रयिे होने वाले मटि्टी के कटाव और बारशि के पैटर्न को भी बताया जाएगा। एटलस के ज़रयिे राज्य के कसिानों को उनके क्षेत्र में जल स्तर को समझने में काफी मदद मलिेगी।
- एटलस बनाने पर काम कर रहे हरयिाणा जल संसाधन प्राधकिरण (HWRA) के अनुसार प्राधकिरण एक्वफिर (जल धारण करने वाली चट्टान की भूमगित परत) का मैप बना रहा है। इस कार्य में हरयिाणा अंतरकि्ष उपयोग केंद्र (HARSAC) भी सहयोग कर रहा है।
- राज्य के वाटर एटलस में पानी की डमिांड और सप्लाई का आने वाले 5 सालों का डाटा होगा। इसमें हर गाँव के परविार को पानी की ज़रूरत के साथ ही गाँवों के पानी के स्रोतों को भी उल्लेख होगा। यह डाटा पानी के अंतर को मैप करने और अपशष्टि जल का दोबारा उपयोग करने के तरीकों पर रणनीति बनाने में मदद करेगा।
- वदिति है कि हरयिाणा राज्य के गठन के समय से ही राज्य में भू-जल स्तर गरिता जा रहा है। हर साल भूजल में एक मीटर की गरिावट आ रही है। राज्य में औसतन भू-जल स्तर 65 मीटर है। कुरुक्षेत्र में यह 42.4 मीटर, करनाल में 22.2 मीटर, कैथल में 32.95 मीटर तक नीचे जा चुका है, जबकि महेंद्रगढ़ में भू-जल स्तर सबसे अधकि नीचे है जो 48.36 मीटर तक जा चुका है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/haryana-water-atlas